पद २८०

(राग: पिलु जिल्हा - ताल: दीपचंदी)

शाम दे दे रे चीर हमारी।।ध्रु.।। लेकर चीर कदंब चढ बैठे। हम जल बीच उभारी।।१।। देवोजी चीर हमारी कन्हैय्या। पैंया पकर कर जोरी।।२।। मानिकके प्रभु ये नंदलाला। तुम जीते हम हारी।।३।।